

बच्ची के माता-पिता ने डॉक्टर पर लगाया लापरवाही का आरोप

पुलिस और अंवल अधिकारी
समझ बुझार मौके पर पहुँचे
प्रमोद-बुझारे के बाद प्रशासन
की ओर से परजनों को 20 हजार
रुपये का चेक मुआवजे के रूप में
दिया गया, जिसके बाद लोगों ने
जमाना समाप्त किया। घटना ने एक
बार फिर निजी अस्पतालों की
लापरवाही पर सवाल खड़ा कर
दिया है। उल्लेखनीय है कि विगत
दिनों उक्त निजी क्लिनिक में ही
हुसैनबाद थाना क्षेत्र के बैरांव गांव
की महिला संजू देवी की मौत हो
गयी थी। इसके बाद अस्पताल की
सील कर दिया गया है।

मैं उनसे पूरी जानकारी लेने के बाद ही कुछ बता पाऊंगी। इधर, इस संबंध में लातेहार सिविल सर्जन डॉक्टर राजमोहन खलाखो से दूरभाष पर इस खबर की जानकारी लेने के लिए पूछा गया तो उन्होंने बतलाया कि मुझे जानकारी नहीं है।

सात साल से अधूरा पड़ा पुल निर्माण, जोखिम
उठा नदी पार करने को विवश हैं ग्रामीण

अब तक कई लोग गंवा चुके हैं जान

करवाई नदी को पार करने के दौरान अब तक कई लोग जान गवां चुके हैं। जिसमें गणेशपुर पंचायत के दोहा टोला निवासी सुरेंद्र कोरवा करीब 2 वर्ष पहले विशाखापटनम् से काम कर अपने घर जान करने के क्रम में नदी पार करने के दौरान बाढ़ के तेज बहाव में मर गये थे। काफी खोजबीन करने के बाद दिन बाम शव बरामद किया गया था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुरेंद्र कोरवा बचाने के लिए हमलोगों को आवाज दे रहा था। परंतु नदी में बाढ़ एवं पानी के तेज बहाव होने के कारण हमलोग उसे बचा नहीं पाये थे। काश पुल बना होता तो सुरेंद्र की जान नहीं में बहने से नहीं होती। अब तक दर्जनों लोगों ने नदी पार करने के दौरान अपनी जान गवां चुके हैं।

सड़क तो बनी, नहीं बन पाया पुल

ग्रामीण फूलचंद सिंह, कुलेश्वर सिंह, राजकुमार सिंह, ग्राम प्रधान राजदेव सिंह ने कहा कि कार्डों की लागत से गणेशपुर से होते कारवाई गारु मुख्यालय तक सड़क निर्माण तो कर दिया गया है। लेकिन पल अंधारा रहने के कारण इस सड़क का कोई महत्व नहीं रह गया है। हमारे द्वारा पुलिया निर्माण कार्य में मजदूरी किया गया था। लेकिन सवेदक के द्वारा दर्जनों मजदूरों का मजदूरी का भुगतान आज तक नहीं किया गया है। सड़क और पल दोनों के निर्माण का उद्देश्य दो प्रखण्डों को जोड़ कर दूरी कम करना था। वही ग्रामबिहारी सिंह ने कहा कि पुलिया निर्माण के साथ-साथ रोड निर्माण के लिए मेरे एवं स्व. जमनलाल सिंह द्वारा सरकर को जमीनी दी गयी थी। जिस उद्देश्य से अमल दिये थे सब पर पानी फिर गया। हमारे बच्चों को नदी पार कर विद्यालय जाना पड़ता है, जिससे हमेशा डर लगा रहता है।

उपप्रमुख ने क्या कहा-

उपप्रमुख सुनिल उरांव ने कहा कि पुलिस का निर्माण हो जाने से गारु प्रखंड मुख्यालय के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों की दूरी काफी कम हो जायेगी। वाहन का आवगमन प्रारंभ हो जायेगा जिससे रोजगार का साधन भी बढ़ेगा। गारु हाट बाजार कर आने-जाने में नदी को पार करना पड़ता है। जो काफी जोखिम भरा है। अब तक दर्जनों लोग नदी में बह कर जान गवां चुके हैं।

सामना करना पड़ रहा है। इस

गारू, महुआडांड, छिपादोहर,
बरवाडीह, बेतला के साथ-साथ

मेदिनीनगर की दूरी तय करना काफी कम हो जायेगा।

हिंडाल्को मूरी वर्क्स लिमिटेड के खिलाफ एक दिवसीय अनशन करेंगे राजू कुमार महतो

पूरी (आजाद सिपाही)।
विस्थापित राज् कुमार महतो 26
सूची माँगे के समर्थन में हिंडालको
मुरी वस्स लिमिटेड के खिलाफ
एक दिवसीय अनशन की घोषणा
कई है। यह अनशन 30 अक्टूबर
2025 को सुबह 10 बजे से शाम
7 बजे तक हिंडालको गेट के सामने
आयोजित किया जायेगा। राज्
कुमार महतो की प्रमुख माँगे में
राज् को पहला युवाओं के रोजगार,
स्थायी 75 प्रतिशत युवाओं के
रोजगार को सुनिश्चित करने और
अस्थाई कर्मचारियों के आश्रितों को
पुनः रोजगार देने की मांग सहित
26 माँगे हैं। राज् कुमार महतो ने
कहा कि यह अनशन सांकेतिक है।

प्रदीप बलमुचू ने कांग्रेस का पक्ष रखा, बोल-
सीट बंटवारे में राजद ने सुनाया था
फैसला तो कांग्रेस कैसे हुई दोषी ?

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। बिहार बिधानसभा चुनाव में राजद की ओर से झामुमो को सीट नहीं दिये जाने पर झामुमो नेताओं के बयान पर काँग्रेस नेना ने प्रतिक्रिया दी है। झारखंड में काँग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रदीप बलमुचु ने कहा है कि बिहार में राजद ने झामुमो को चुनाव लड़ने के लिए सीट नहीं दी है तो उसके लिए काँग्रेस दोषी क्यों है? समीक्षा बैठक का मारलब झामुमो तीसरे विलक्य के साथ गठबंधन करना चाहती है। इस मामले के संदर्भ में

कांग्रेस नेता प्रदीप बलमुचू ने बातचीत में कहा कि झारखंड में गठबंधन की सरकार में झामुना बड़े भाई के रूप में है और उनका निर्णय सर्वोपरि है। उनके साथ कांग्रेस, आरजेडी मिलकर काम कर रहे हैं, ऐसे में बिहार में 6 सीट पर चुनाव लड़ने की घोषणा की गई थी लेकिन झामुमो ने अपन उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की, उन्हें उम्मीदवार के नाम की घोषणा करनी चाहिए थी। गठबंधन

में मिलजुलकर काम होता है, ताकि सामने वाले दल को पराजित किया जा सके।

कांग्रेस कैसे हुई दोषी?

उन्होंने बताया कि बिहार में चुनाव लड़ने के लिए सीट बंटवारे में राजद ने अपना फैसला सुनाया था, कांग्रेस इसके लिए दोषी नहीं है। इस मामले में बैठक कर वार्ता करना था लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा का यह बयान कि समीक्षा बैठक के बाद निर्णय लेंगे। इससे साफ जाहिर होता है कि कोई सचड़ि पक रही है और कोई

तीसरा विकल्प सामने आने वाला है। क्योंकि अगर कांग्रेस ने सीट नहीं दिया तो कांग्रेस पर आरोप लगे क्यों। कांग्रेस ने तभी प्रदीप बालमुचुक्ते ने बताया कि गठबंधन में कुछ देना कुछ खोना पड़ता है।

बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा ने 6 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की थी। इधर बिहार में सीट बंटवारे में झारखंड मुक्ति मोर्चा की सीट नहीं मिलने पर झामुमो नेताओं ने बयान दिया है कि चुनाव के बाद इस मामले में समीक्षा बैठक करेंगे।

डंडई/गढ़वा। गढ़वा जिले के डंडई प्रखंड अंतर्गत रांगे गांव के चिनुखरा टोला में उस वक्त खुशी का माहौल छा गया, जब लगभग 21 साल पहले लापता हुए अयोध्या सिंह (पिता. स्व. प्यारे सिंह) अचानक अपने घर लौट आये। परिवार और ग्रामीणों के लिए यह किसी चमत्कार से कम नहीं, क्योंकि परजनों ने उन्हें मृत मान लिया था। जानकारी के अनुसार, अयोध्या सिंह वर्ष 2004 में अपने गांव के कुछ साथियों के साथ मजदूरी करने के लिए धाई से निकले थे। वे अपने साथी से बिहार के डेहरी में बिछड़ गये, परजनों ने हरसंभव खोजबीन की, रिसर्चेदारों से लेकर पुलिस तक हर जगह पूछताछ की, लेकिन सालों तक कोई जानकारी नहीं मिली। उस समय उनके पास न मोबाइल

21 साल की दर्दनाक आपबीती

घर लौटने के बाद आर्योष्ठा सिंह ने अपनी 21 साल की दर्दनाक अपबीबी सुनायी। उन्होंने बताया कि 2004 में बिछड़ने के बाद उनका मानसिक संतुलन कुछ हद तक बिगड़ गया था। पेट भरने के लिए उन्होंने कई जगहों पर मजदूरी की, लेकिन कुछ दिनों पालो पुर लोगों ने उन्हें थोक बनाकर काम कराया। आर्योष्ठा सिंह ने बताया जहाँ भी काम करते थे, लोग हमें वहीं रख लेते थे और जाने नहीं देते थे। मजदूरी की नहीं दी जाती थी, बस खाना खिलाते थे। कई बार भागने की कोशिश की, लेकिन मोंबाइल पर, न पैसे – इसलिए घर लौट नहीं पाया। उन्होंने यह भी कहा कि नाम-पता बताने के बावजूद किसी ने उन्हें घर पहुचाने में मदद नहीं दी। सभी लोग उनसे काम करवाने के लिए उन्हें अपने पास रख लेते थे।

था, न ही कोई पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड। धीरे-धीरे उनका आधुनिक दुनिया से संपर्क पूरी तरह टूट गया।

देखने के लिए पूरा गांव उमड़ पड़ा। 21 साल के लंबे अंतराल के कारण, अयोध्या सिंह न तो गांव के लोगों को ठीक से पहचान पा रहे थे और न ही लोग अयोध्या सिंह को। यह दृश्य बेहद भावुक करने

ट्रक ड्राइवर बना इंसानियत की मिसाल

अयोध्या ने बताया कि पिछले करीब छह साल से वे कोलकाता के डायमंड हार्बर, मदर हाट ब्रिज के नीचे स्थित मां काली होटल में रहते और काम करते थे। वहीं उनकी कुछ दिन पहले मुलाकात बिहार के एक ट्रक ड्राइवर से हुई, जो कोलकाता रूट पर ट्रक चलाता था। अयोध्या ने जब उस ड्राइवर को अपनी कहानी और गांव का पता बताया, तो ड्राइवर ने इंसानियत दिखाते हुए उन्हें ट्रक से घर तक छोड़ने का निर्णय लिया। इसी ट्रक ड्राइवर की मदद से अयोध्या सिंह आखिरकार 21 साल बाद अपने गांव रांसे, विनुखरा टोला वापस लौट आये। घर वापसी से अयोध्या सिंह के परिवार और पूरे गांव में भारी खुशी और उत्साह का माहौल है।

वाला था, जहां कई ग्रामीण आंखों में आंसू लिए खड़े थे। अपने बेटे को सामने पाकर परिजन फफक-फफक कर रो पड़े, जो वर्षों के इंतजार और पीड़ा के बाद मिली खुशी का इजहार था।

झामुमो की उपेक्षा करने पर भड़के सांसद विजय हांसदा, बोले हमने दिखायी दरियादिली लेकिन नहीं मिला सम्मान

बिहार विधानसभा चुनाव में
महागठबंधन के राजद और
कांग्रेस ने झामुमो को
स्थान नहीं दिया है

आजाद सिपाही संवाददाता

पाकुड़। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के राजन और कांग्रेस ने झामुमो को स्थान नहीं दिया है, इससे झारखंड झामुमो नेता नाराज चल रहे हैं और पार्टी फोरम में विचार कर अपना पक्ष रख रहे हैं। इस मामले में झामुमो हाउस के राजमहल सांसद विजय कोटि सदा ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है।

झामुमो को दरियादिली का नहीं मिला फायदा

परिसरदार ने लोगों की समस्या सुनने पहुँचे सांसद विजय हांसदा ने मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए बताया कि जिस तरह हमारे नेता हेमंत सोरेन ने दिहागढबंधन के लिए दरियादिली दिखायी, लेकिन उस अनुरूप में बिहार विधानसभा चुनाव में

राजद और कांग्रेस ने नहीं निभायी अपनी जिम्मेदारी

सांसद ने कहा कि जिस वक्त झारखंड में महागठबंधन हुआ तो झामुमो ने बड़े भाई की भूमिका निभायी थी, लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर जब प्रारूप तैयार हो रही थी, तब बड़े भाई की भूमिका में आरजेडी और कांग्रेस थे। इसी उम्मीद के साथ चर्चा चल रही थी और जो निकर्ष निकलना चाहिये था, वह नहीं निकला और इस मामले में पार्टी के वरीय नेता ने अपना पक्ष साफ तौर पर रखा है।

सम्मान नहीं मिला। इस मामले में जायेगी और निर्णय लिया
आगे पार्टी फोरम पर बात रखी जायेगा।

डीएमएफटी फंड पर भाजपा को दिया जवाब

वहीं डीएमएफटी फंड को लेकर बीजेपी द्वारा उठाये गये सवाल पर डामूमो सांसद विजय हांसदा ने कहा कि हमारे यहां डीएमएफटी फंड को सही जगह खर्च किया जा रहा है और इस पर समीक्षा भी होती है। उन्होंने कहा कि जहां तक प्रभावित क्षेत्र में खर्च नहीं होने की बात है, इस पर दिशा की बैठक में किये गये कार्यों की सूची मांगी जायेगी और समीक्षा की जायेगी। इस दौरान सांसद विजय हांसदा ने परिसदन में सेठकों ग्रामीणों की समस्या सुनी और निदान का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य के अलावा कोल ई-रिस्क चालकों ने ज्यादा टोल टैक्स लेने की भी शिकायत की। जिस पर सांसद ने अधिकारियों से वार्ता कर निदान करने का निर्देश दिया।

पूरे झारखंड में फैला हुआ है डीएमएफटी फंड घोटाला : बाबूलाल मरांडी

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने बाबूलाल मरांडी ने राज्य में उजागर हो रहे जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) फंड घोटाले पर कड़ी आपत्ति जतायी है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को लिखा, मैंने पहले भी कहा था, डीएमएफटी घोटाले में बोकारो



अपने पुराने दलालों और ठेकेदार साझेदारों को भी ले जाते हैं।

मरांडी ने कहा कि मिली जानकारी के अनुसार, कोडरमा में उपयुक्त रहते हुए आदित्य रंजन ने डीएमएफटी फंड से स्किल डेवलपमेंट के नाम पर प्रबंधन एवं उद्यमिता एवं व्यावसायिक कौशल परिषद (एमड्पीएससी) और तितली फाउंडेशन के साथ मिलकर जमकर लूट मचायी। अब जब वे धनबाद के उपयुक्त बने हैं, तब

कोडरमा में वर्ष 2022-24 के दौरान डीएमएफटी फंड के उपयोग की उच्च स्तरीय जांच करावें, आदित्य रंजन और प्रांजल मोदी के बीच के रिश्तों की भी पड़ताल करवायें। उन्होंने धनबाद में डीएमएफटी फंड से जुड़े सभी चल रहे टेंडर प्रक्रियाओं को तत्काल रोककर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित कराने की मांग भी की।

घाटशिला उपचुनाव : झामुमो के दिग्गज उतरे मैदान में

बेटे के लिए वोट मांगने निकलीं स्व. रामदास सोरेन की पत्नी सूरजमनी



आजाद सिपाही संवाददाता
घाटशिला। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में शुक्रवार को झामुमो के विधायक निरल पूर्ति और जामा विधानसभा की विधायक डॉक्टर लुईस मरांडी के द्वारा धालभूमगढ़ प्रखंड के मदश्री पंचायत के सुंदरडीह ग्राम में ग्रामीणों के साथ बैठक कर झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी सोमेश सोरेन की जीत सुनिश्चित करने को लेकर विचार विमर्श किये। इस मौके पर मझगांव विधायक निरल पूर्ति ने कहा कि घाटशिला उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी सोमेश सोरेन के पक्ष में पूरा विधानसभा क्षेत्र खड़ा है। धालभूमगढ़ प्रखंड के मदश्री पंचायत के सुंदरडीह ग्राम में ग्राम प्रमुखों के साथ बैठक कर झामुमो की बड़ी जीत सुनिश्चित करने को लेकर विचार विमर्श किया गया। जिसमें ग्राम प्रमुखों ने एक बड़ी जीत झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी को दिलाने का संकल्प किया है। विधायक ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्येक कार्यकर्ता लोगों के बीच

झारखंड का हर बच्चा अपने सपनों को साकार कर रहा : उमाकांत रजक



उमाकांत रजक ने सोमेश सोरेन संग किया गालूडीह जेन का दौरा
आजाद सिपाही संवाददाता
घाटशिला। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के जनसंपर्क अभियान को और मजबूती देते हुए चंदनक्यारी के विधायक उमाकांत रजक ने शुक्रवार से अपना सक्रिय योगदान दिया। इस क्रम में उन्होंने झामुमो प्रत्याशी सोमेश सोरेन के साथ गालूडीह जेन के विभिन्न पंचायतों – बनकाटी, हेंदलजुड़ी, महलिया, जोड़सा, बागुडिया, बड़ाखुर्शी एवं उल्दा का व्यापक दौरा किया। उमाकांत रजक ने कहा कि झारखंड ने 25 वर्षों में वह परिवर्तन देखा है जिसकी कल्पना राज्य निर्माण के समय की गयी थी। आज झारखंड के बच्चे-बच्चियां

डीएमएफटी फंड को केंद्र सरकार ने घटाया : डॉ तनुज खत्री



आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सदस्य डॉ तनुज खत्री ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार ने डीएमएफटी फंड को 30 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है, जिससे झारखंड के खनन प्रभावित जिलों को नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि इससे कंपनियों को फायदा हो रहा है, जबकि झारखंड को नुकसान हो रहा है। डॉ तनुज खत्री ने कैग रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 2015-2021 की अवधि में डीएमएफटी फंड के उपयोग में गंभीर अनियमितताएं पायी गयीं। उन्होंने कहा कि यह साफ है कि भाजपा सरकार के समय हुए घोटालों की जिम्मेदारी भाजपा की है। डॉ तनुज खत्री ने केंद्र सरकार से मांग की है कि डीएमएफटी योगदान दर में बढ़ोतरी की जाये, जिससे खनन प्रभावित जिलों के हितों की रक्षा की जा सके। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष

कुछ संघर्षों के बाद नौकरि-सरकारी कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।

वृष

काम की गति बढ़ेगी, सूख-संसाधनों की वृद्धि, व्यापारिक विस्तार की योजना।

मिथुन

आत्मनिर्वास की वृद्धि, नये कार्योपयोगों के प्रति रुचि बढ़ेगी।

कर्क

आमदनी के नये स्रोत बनेंगे, मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा, पन-पेयर्ष की वृद्धि।

सिंह

कामकाज का विस्तार, आप उन्नति के मार्ग की ओर प्रयास करेंगे, संकल्पित कार्य पूरा होगा।

कन्या

बहुत दिनों से चली आ रही इच्छाओं की पूर्ति होगी, व्यवसाय में सफलता।

तुला

समाजिक प्रवास सम्पन्न, विद्या-वृद्धि-परिणाम का विकास होगा, महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे।

वृश्चिक

चतुर्दिक रश्मि तथा उल्लास का वातावरण रहेगा, संयम, धैर्य से काम आसान होगा।

धनु

आर के नये स्रोत बनेंगे, प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास, घड़न विफल रहेगा।

मकर

नये व्यवसाय का आरंभ हो सकता है, परिवार में नागरिक कार्य सम्पन्न होगा।

कुंभ

रुके हुए कार्य में तेजी, उत्साह-उत्तम भरा रहेगा, समाज के लाभ बनेंगे,नये लोगों से संपर्क।

मीन

किसी नये कार्य आरंभ करने से पूर्व परिवार में विचार-विमर्श करें, कठिनाइयों पर विचार।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें

www.azadsipahi.in

रामदास सोरेन का बेटा ही घाटशिला विधानसभा के विकास को दे सकता है रफ्तार : डॉ लुईस मरांडी

झामुमो वादा और झरादा का पक्का : निरल पूर्ति
सुंदरडीह गांव में ग्राम प्रमुखों के साथ बैठक कर जीत की बनावी रणनीति

आजाद सिपाही संवाददाता
घाटशिला। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में पार्टी की जीत को लेकर मझगांव विधानसभा के विधायक डॉक्टर लुईस मरांडी के द्वारा धालभूमगढ़ प्रखंड के मदश्री पंचायत के सुंदरडीह ग्राम में ग्रामीणों के साथ बैठक कर झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी सोमेश सोरेन की जीत सुनिश्चित करने को लेकर विचार विमर्श किये। इस मौके पर मझगांव विधायक निरल पूर्ति ने कहा कि घाटशिला उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी सोमेश सोरेन के पक्ष में पूरा विधानसभा क्षेत्र खड़ा है। धालभूमगढ़ प्रखंड के मदश्री पंचायत के सुंदरडीह ग्राम में ग्राम प्रमुखों के साथ बैठक कर झामुमो की बड़ी जीत सुनिश्चित करने को लेकर विचार विमर्श किया गया। जिसमें ग्राम प्रमुखों ने एक बड़ी जीत झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी को दिलाने का संकल्प किया है। विधायक ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्येक कार्यकर्ता लोगों के बीच

पहुंच रहे हैं, क्योंकि घाटशिला विधानसभा पूर्व मंत्री स्व. रामदेव सोरेन का सीट था, आम जनता उन्हें एक अभिभावक की तरह मानती थी। घाटशिला विधानसभा में विकास के कई कृतिमान स्थापित किये हैं। आज जब स्व. रामदास सोरेन हमारे बीच नहीं रहे तो उनका बेटा सोमेश सोरेन उनके विकास के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। यह हम सभी को सुनिश्चित करना होगा कि विकास पुरुष का वंशज ही घाटशिला विधानसभा को तेजी के साथ आगे ले जा सकता है। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी धनबल और झूठा प्रचार कर जनता को दिग्भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। यह प्रयास कभी सफल होने वाला नहीं है। क्योंकि घाटशिला विधानसभा की जनता आगे विकास के रास्ता को देख रही है। यही कारण है कि झामुमो प्रत्याशी सोमेश सोरेन को दोनूना मत से जीत दिलाने के लिए गांव-

मंत्री हफीजुल हसन, एमटी राजा और हिदायतुल्लाह खान ने मांगा समर्थन
आजाद सिपाही संवाददाता
मुसाबनी (पूर्वी सिंहभूम)। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने अपनी जनसंपर्क रफ्तार को और तेज कर दिया है। शुक्रवार को झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण एवं जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने मुसाबनी प्रखंड के बंदिआ, ईदगाह मुहल्ला, मोहलबड़ा सहित कई गांवों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया। मंत्री के साथ राजमहल विधायक एमटी राजा और राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान भी मौजूद रहे। जनसमूह को संबोधित करते हुए नेताओं ने झामुमो प्रत्याशी सोमेश सोरेन के पक्ष में मतदान करने की अपील की। हिदायतुल्ला खान ने अपने वक्तव्य में कहा कि, सोमेश सोरेन पेशे से एक पढ़े लिखे

परिवर्तन होगा तभी विकास संभव है : बाबूलाल मरांडी

घाटशिला विधानसभा उप चुनाव में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर जनसंपर्क साध रहे हैं।
आजाद सिपाही संवाददाता
घाटशिला। घाटशिला विधानसभा उप चुनाव में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर

जनसंपर्क साध रहे हैं। जनता की समस्याओं को सुन रहे हैं। कह रहे हैं धरना नहीं है। परिवर्तन होगा तभी विकास संभव है। भाजपा का विधायक बनाइये। बाबूलाल मरांडी इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति पर काम कर रहे हैं। सभी को टास्क दिया गया है। बूथ से लेकर पंचायत

तक भाजपा के सभी कार्यकर्ता सक्रिय हैं। वहीं भाजपा की मुखर आवाज भानु प्रताप शाही भी बाबूलाल के साथ कदमताल किये हुए हैं। वह सरकार की कमियों को मजबूती से जनता के सामने रख रहे हैं। उनका कहना है कि बाबूलाल सोरेन को जिताना है तभी घाटशिला का विकास संभव है।

पांकी विधायक डॉ शशिभूषण मेहता 65 पंचायतों के 32 हजार घरों तक पहुंचा रहे हैं साड़ी, कंबल और छठ पूजन सामग्री

पांकी विधायक डॉ शशिभूषण मेहता आठ वर्षों से कर रहे हैं छठ व्रतियों की सेवा

आजाद सिपाही संवाददाता
पांकी/पलामू। लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा के अवसर पर गरीब और जरूरतमंद छठ व्रतियों की सेवा का अनूठा उदाहरण पेश कर रहे हैं, पांकी विधायक डॉ। कुशवाहा शशिभूषण मेहता। लगातार आठ वर्षों से वह

विधानसभा क्षेत्र के 65 पंचायतों और 413 गांवों के जरूरतमंद

कर रहे हैं। इस कार्य की शुरुआत वर्ष 2017 में हुई थी और यह बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के हर घर तक पहुंचाई जाती है। इस वर्ष भी लगभग 32,000 छठ व्रतियों को सहयोग स्वरूप साड़ी, कंबल, पूजन की सामग्री, जैसे नारियल, हल्दी, फल, अगरबत्ती, माचिस, चूड़ी और बिंदी जैसी सामग्री झोले में पैक कर भेजी जा रही है। पैकिंग का कार्य नीलांबर-पीतांबरपुर (लेस्लीगंज) स्थित भौयॉ फार्म

हाउस में युद्धस्तर पर चल रहा है, जिसमें विधायक की पत्नी किरण मेहता समेत परिवार के सदस्य, भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक सक्रिय रूप से जुटे हैं। सेवा और समर्पण की इस भावना को विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता राजनीति से ऊपर उठकर निभा रहे हैं। वह बताते हैं कि छठ पर्व व्रतियों के प्रति यह सहयोग एक लोक सेवा का कार्य नहीं बल्कि, जिसे वह आगे भी जारी रखेंगे।

हाउस में युद्धस्तर पर चल रहा है, जिसमें विधायक की पत्नी किरण मेहता समेत परिवार के सदस्य, भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक सक्रिय रूप से जुटे हैं। सेवा और समर्पण की इस भावना को विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता राजनीति से ऊपर उठकर निभा रहे हैं। वह बताते हैं कि छठ पर्व व्रतियों के प्रति यह सहयोग एक लोक सेवा का कार्य नहीं बल्कि, जिसे वह आगे भी जारी रखेंगे।

राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति (एनईएसटीएस)

(जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान), भारत सरकार

गेट नं. 5, जीवन तारा बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

भर्ती अधिसूचना - अंतिम तिथि में विस्तार

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय स्टाफ चयन परीक्षा (ESSE) - 2025

भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत नेस्ट्स (NESTS) ने देश भर में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों (EMRS) में शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों पर भर्ती हेतु अधिसूचना जारी की है और ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है।

रिटियायें: प्रधानाचार्य (225), स्नातकोत्तर शिक्षक (PGTs) (1460), प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGTs) (3962), महिला स्टाफ नर्स (550), छात्रावास वार्डन (पुरुष/महिला) (635), लेखाकार (61), कनिष्ठ सचिवालय सहायक (JSA) (228), प्रयोगशाला परिचर (146)।

विस्तृत अधिसूचना NESTS की वेबसाइट/ऑनलाइन आवेदन पोर्टल पर उपलब्ध है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 28.10.2025 (रात्रि 23:55 बजे तक) बढ़ाई गई है। तथापि, ESSE-2025 अधिसूचना में उल्लिखित अनुसार पात्रता मानदंड निर्धारित करने की कट-ऑफ तिथि 23.10.2025 ही रहेगी। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी NESTS की वेबसाइट www.nests.tribal.gov.in अथवा लिंक <https://t.co/CG8LqFvGbK> के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

जारीकर्ता: NESTS

